

अनुविधापीय, अधिव्यापी, (अनुविधापीय)

## गवाह का बयान

१५

हम निचे दस्तावेजों में वर्णित गवाह शिरोन देवे हैं कि हम  
 शिरोन जी पं. अ. लोरी के निर्देशानुसार योंप कर्त अचिकरी  
 पं. अ. लोरी (पं) प. ह. नं. एवं प. र. चंदूपारा आवेदक से  
 शिरोन कुमार व कुंभराज वारे अचिकन सदस्य के निम्नी भूमि  
 नमरा ५५०५/७ कुल रकबा ०.००५०५. में रोपिल छिये गये समीन  
 वृक्षों का निरीक्षण कर रचसरा एवं रकबा का सत्यापन पदवी  
 ह. नं. ३२ के द्वारा क्रिया गय एवं प. स. लोरी (पं) एवं पं. र.  
 चंदूपारा के द्वारा रोपिल समीन वृक्षों का निरीक्षण एवं वृक्षों  
 गोलई इचिकलम ७५ से मी. न्यूनतम २० से मी. पयप  
 गय आवेदक से पूछपाछ करने पर अपने निम्नी उपरी  
 केतु समीन वृक्षों की छरई की मरुपलि पाछ गय है, सबि  
 छिये अपने पर योंप कर्त अचिकरी द्वारा मैका पंजपय एवं  
 गवाहों का बयान दूर क्रिया गय।

यही हमय बयान है लिखायर पदा/पदाकरनय  
 सुनीकर अपन-अपन दस्तखत क्रिया।

① सुरेश व स्व. कुंभराज यदय

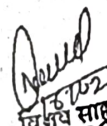
स्व. लोरी

सुरेश

② सदाय व रजम भाद यदय

स्व. रेड्डा

रजुवा

  
 विक्रम साह  
 प. ह. नं. ३२  
 लोरी, जि. गुरोरी

गमाद यमाद जी  
 देवा सिमगमा

  
 परिकीत सहायक  
 परिकीत लोरी  
 वन परिकीत लोरी

पंचनामा

क्रमांक - २४३३३  
दिनांक - १३-२-२१  
समय - १२.००१

उम इस्लामाईरत पंच गण भाषा दिनेशु को इस बाबत अजय  
अजय-सय पंचनामा लिख देले है कि जन परिशदाधिकारी कोर  
के निर्देशानुसार प.स. लोरी (पु) एवं प.र. चैम्पुस प.ड. न.३  
भावेदकु श्री विनये द. कामर व कुंभारन बादे स. स.स.स.स.  
एक लोरी के रिचल निपरी भूमि रकले की खसरा नं. १३४/७  
रकबा ०.०५५० हे में अमानत २५५ भा ससपेन का एक लप को  
पाया गया। पंच कर्ष द्वारा उक्त ससपेन दुरवे के अति गेले  
अधिकतम ७५ न्यूनतम २० से.मी. एवं अधिक मजारीमक व  
प्रक्षोप पाया गया। भूमि स्वाधी की प.ड. न.३२ के समक  
पुस्तक क्रिये पजे पर अमानत देया पर २०५५ एवं  
तथा निपरी उपयोग के दुरवे की अदि की अमानत पा  
गयावत्तय।

यही उम पंच के पंचनाम है लिखकर पदा, पदाय अज  
सही पकर अजय-अजय इस्लामाईरत लिखा।

पंचनामा

① काननसिंह/दीपक अमर  
स. स.स.स.स.

— अमल सिंह

  
दिनांक १३/२/२१  
प.स. नं. ३२...  
प.स. नं. ३२...  
प.स. नं. ३२...

② लोचन/कवच अमर  
स. स.स.स.स.

जे.ए.ए.

③ गणेश/राम लाल अमर  
स. स.स.स.स.

गणेश अमर

पंचनामा के द्वारा  
लिखा गया।

परिशेन लोचन  
अमर अमर  
अमर अमर

காந்தியா காந்தியா

मैं पितामह कुमार पितामह कुमार और गंगा कलकत्ता  
 लाल लोभी, गोलीका निवासी हूँ, स्वयं दिनेश के लिए करी  
 अधिकारी पत्र लोभी (पु) के अनुसार अपने स्वयं-स्वयं अपने  
 विद्यालय में ई. ई. मेरे द्वारा अपने निजी स्वयंसेवा की भीमपुत्र  
 32 वर्षीय ए. 104/7 रकबा कुल 0.040000 में लगभग 1.00 रकबा में  
 वर्ष 2015 में एवं वर्ष में कुछ शयन सजावट प्रयोजित  
 पैसे का खर्च किया गया था। एवं प्लान में परिवर्तन  
 पूरे हैं, एवं भूमि पर दीमक का अत्यधिक प्रकोप होने के कारण  
 वृक्षों की क्षति गैरलाभ में वृद्धि नहीं हो पा रही है, वृक्षों की  
 ई. ई. रोपण स्वयंसेवा के वृक्षों मेरे निवास गड के लगभग -  
 100 मी. की दूरी पर स्थित हैं। निवास के दाय-दाय एवं करदा  
 कार्य नहीं कर पाया है। निवास का लगभग गंगा के उपर्युक्त स्वयंसेवा  
 द्वारा लेकर स्वयंसेवा वृक्षों की अर्थकर करदा कर पर वजन कर  
 दिया गया है।

[illegible]

• प्रकाश की गति

*[Handwritten signature]*

परिक्षेत्र सहायक  
परिचय नोटी  
अन परिक्षेत्र नोटी

विनयद्वारा  
क. कुंजराज बोर  
आ. सहाय